

necessary budgetary provisions respectively upon such Review and to take formal decision to finalise an Agreement required for the implementation of the Joint Co-operation Project. Subject to such modifications as may be found necessary as a result of the review, the gist of the present Record of Discussions is understood to serve as the basis on which the two Governments will finalise an Agreement for the implementation of the Project.

Provision of Additional Newsprint

*256. SHRI SHRI CHAND GOYAL : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether Government are considering to give additional Newsprint to daily papers; and

(b) if so, the criteria for allocation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING, AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (SHRI I. K. GUJRAL) : (a) and (b). Government's decision to grant an additional quota of newsprint to daily newspapers for the second half of 1969-70 (October 1969 to March 1970) for increases in circulation was announced on January 24, 1970. The increases have been allowed on the following basis :—

Newspapers with—

(i) circulation up to 15,000 copies	—10%
(ii) circulation above 15,000 copies and up to 50,000 copies	—7½%
(iii) circulation above 50,000 copies and up to 1,00,000 copies	—5%
(iv) circulation above 1,00,000 copies	—2½%

रूसी ट्रेक्टरों की बिक्री में चोर-बाजारी

*257. श्री यंश नारायण सिंह :

श्री रामस्वरूप बिद्यार्थी :

श्री कंदर लाल गुप्त :

श्री रामसिंह अग्रवाल :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ गैस-सरकारी अभिकरण रूस से आयात किए गये ट्रेक्टरों की चोर-बाजारी कर रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो इसे रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सह-कार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भगमा साहिब शिन्धे) : (क) और (ख). ऐसी कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। फिर भी रूसी ट्रेक्टरों की सम्भावित चोर-बाजारी को समाप्त करने की दृष्टि से, सरकार राज्यकीय कृषि-उद्योग निगमों के माध्यम से काफी बड़ी संख्या में आयातित ट्रेक्टरों को उपलब्ध कर रही है और प्रत्येक देशी उत्पादन को बढ़ा रही है। सप्लाई की स्थिति को सुगम करने के लिए, विदेशों में रहने वाले भारतीय सम्बन्धियों से उपहार के रूप में ट्रेक्टरों के आयात की भी अनुमति दे दी गई है।

रासायनिक उर्वरकों की बिक्री की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना

*258. श्री जित कुमार शास्त्री : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय उर्वरक निगम से रासायनिक उर्वरकों की बिक्री की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर ले लिया है; और

(ख) यदि हां, तो रासायनिक उर्वरक प्रयोग करने के लिए किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए बिक्री की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए क्या उपाय करने का विचार है ?